सामाजिक संस्था संपूर्णा

संपूर्ण विकास की ओर अग्रसर

(गैर सरकारी संगठन)

"आलेख"

आओ ज़रा सोचे कोंग्रेस पार्टी राष्ट्रवादी हो गई——-

डॉ शोभा विजेंद्र

संपूर्णा संस्थापिका

श्री मनमोहन सिंह , पूर्व प्रधानमंत्री ने पत्र लिखा और कहा कि उनकी पार्टी में उनका पद नीति निर्धारक का नहीं बल्कि उनको परिवार द्वारा दिए आदेशों पर ही ठप्पा लगाने का है। यह तो ठीक है। जब वह प्रधानमंत्री थे तो उनकी पार्टी के युवराज ने कैबिनेट के स्वीकृत नोट को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिसका कि कांग्रेस नेता समर्थन करने आए थे , फाड़ कर फेंक दिया था। माननीय प्रधानमंत्री जी विदेश से आए परंतु इस अपमान के लिए कुछ बोलने की हिम्मत नहीं हुई।

अब कांग्रेस पार्टी, भाजपा सरकार के राष्ट्रवाद पर संदेह दिखा रही है। नसीहत देते हुए कह रही है कि भारत की अखंडता से समझौता नहीं होना चाहिए। अब क्या किया जाये? हवा ही उलटी चल रही है। दिल्ली में तो केजरीवाल ने पहले ही एलान कर दिया था —— दिल्ली वालों कोविड में जीना सीख लो।

अब फिर कांग्रेस पर ही आइये। सीखा रही है राष्ट्रवाद का पाठ| चलो करोना में ये भी सीख लो। भाजपा वालों भूल मत जाना की भाजपा की नींव में ही भारत की अखंडता का सिद्धांत है।

भाजपा ने हमेशा देश पर जब भी कैसा भी संकट आया है सेना और सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य किया है। इसके लिए कांग्रेस को अपने प्रधानमंत्रियों क्रमशः जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री और इंदिरा गांधी द्वारा 1962 ,1965 और 1971 के युद्ध में की गई विरोधी पार्टी की प्रशंसा को तो ध्यान में रखना ही चाहिए।

सत्ता विहीन कांग्रेस पार्टी और उसके नियंत्रक नेता पता नहीं कहां से आदेश प्राप्त कर सेना और जनता का मनोबल घटाने के लिए झूठे समाचार दे रहें हैं। पता नहीं कहाँ से ये दुर्लभ समाचार आ रहे हैं। इटली और अमेरिका तो कोविड से वैसे ही बदहाल हैं। पता नहीं क्यों जनता को गुमराह करने के लिए अपनी सारी शक्ति लगा रहे हैं। कांग्रेस से उम्मीद भी यही है। कुछ तो युवा नेता करेंगे ही।

कांग्रेस ने वर्ष 1947 में जल्दी से जल्दी सत्ता पाने के लिए भारत को दो भागों में विभाजित करवाया।और उसके बाद सन 1962 में सिपाहियों को बगैर गोला बारूद , गर्म कपड़ों और जूतों के चीनी सैनिकों के सामने युद्ध में ढकेल दिया। हमारे सैनिक बहादुरी से लड़े। इसमें मेजर शैतान सिंह की कमांड में लड़ी गई चिसुल की लड़ाई में चीनी सैनिकों ने स्वयं भारत के सैनिकों की बहादुरी का सिक्का माना था। लेकिन तत्कालीन कमजोर सरकार ने चीन द्वारा लगभग 40000 वर्ग किलोमीटर पर कब्जा किए गए भारत के भू भाग को वैसे ही दे दिया।

आज जबकि चीन के मुकाबले में खड़ी सेना आधुनिकतम शस्त्रों से सुसज्जित है। सैनिकों को सभी साजो सामान उपलब्ध हैं। जिसका उदाहरण अभी पिछले हफ्ते भारतीय सैनिकों ने निहत्थे ही, चीनी सेना के कमांडर सहित इतने सिपाहियों को मारा है कि चीन उनकी संख्या बताने से भी डर रही है। अतः हमारे आदरणीय पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी कृपा कर राहुल गांधी को सलाह दे कि वे देश में भ्रामक बातें न फैलाये।